



गणेश मिश्र की कविताएं

संघर्ष, प्रेम और प्रकृति की सहचरी

संपादक
प्रो. रमा, डॉ. महेन्द्र प्रजापति

प्रथम संस्करण : 2021

ISBN : 978-81-951867-5-4

© सम्पादक

मूल्य : ₹ 795

प्रकाशक :

हंस प्रकाशन

(पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स)

बी-336/1, गली नं० 3, दूसरा पुस्ता,
सोनिया विहार, नई दिल्ली-110094

दूरभाष : 91-9868561340, 7217610640

Email : hansprakashan88@gmail.com

Website : www.hansprakashan.com

विक्रय कार्यालय :

4648/21, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110002

दूरभाष : 91-7217610640

टाइप सेटिंग : एस० के० ग्राफिक्स

दिल्ली-84

विषय-सूची

भूमिका	(v)
चेतना-जल से भीगी हुई कविताएँ	1
—चंद्रकांत सिंह	
छोटे आकार की बड़ी कविताएं	13
—दिविक रमेश	
भावनाओं का बहुरंगी कोलाज	18
—रमा	
उदासियों के विरुद्ध कविता	35
—ओम निश्चल	
राकेश मिश्र की कविताई : कविता की मंदाकिनी में एक नई ध्वनि	44
—रवि भूषण पाठक	
अनुभव और अनुभूति की भाव प्रवणता : राकेश मिश्र की कविताएँ	50
—अखिलेश कुमार शर्मा	
गहन दायित्वबोध और बौद्धिक संवेदना के कवि	65
—करुणा शंकर उपाध्याय	
संवेदना के रंग	73
—आनंद प्रकाश त्रिपाठी	
कवि राकेश मिश्र की कविताओं का समीक्षात्मक अनुशीलन	89
—रवि कुमार गोंड	
राकेश मिश्र की कविताओं में प्रकृति और परिवेश	116
—राजेश कुमार शर्मा	
कविता की रचनाधर्मिता	125
—सुधा उपाध्याय	

संवेदना के रंग

आनन्द प्रकाश त्रिपाठी

कविता के बारे में आमतौर पर यह राय है कि आज कविता का बाजार नहीं है, गद्य में आलोचना और खासतौर पर उपन्यास एवं कहानी की पुस्तकों की डिमांड है। प्रायः नये कवियों के काव्य संग्रह छापने से बड़े प्रकाशक बचते रहे हैं। सोशल मीडिया पर कवियों के नये-नये चेहरे रोज-ब-रोज खिल रहे हैं और कविता की बाढ़ आ गयी है। उनका स्तर और रंग-ढंग कैसा है? फिलहाल हम सभी जानते हैं। पर अच्छी कविताएँ भी पढ़ने को मिलती हैं। आज पाठकों का ध्यान फेसबुक पर लिखी जा रही कविताओं पर भी गया है। प्रतिष्ठित कवि व रचनाकार भी फेसबुक का माध्यम इस्तेमाल कर रहे हैं। कवियों के समूह भी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर साहित्य जगत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए व्याकुल हैं। अमरता की खोज में रचनाकार नित नूतन सृजनात्मक प्रयास में सक्रिय दिखाई देते हैं। नये-नये काव्य प्रयोग भी होते रहे हैं, कुछ गंभीर रचनाएँ भी हमें पढ़ने को मिलती हैं।

इन सबके बावजूद कविता की पुस्तकें धड़ल्ले से छप रही हैं। नये-नये कवि अपनी दस्तक साहित्य के द्वार पर दे रहे हैं। ऐसे माहौल में जब कोई गंभीर और प्राणवान कविता लिखने वाले कवि से हमारी पहचान होती है और कविता का सूरज चमक उठता है, तब सभी का ध्यान उसकी तरफ जाना स्वाभाविक है। वे कविताएँ सभी दृष्टियों से अपनी उत्कृष्टता, नवीनता, सौन्दर्य-बोध, समसामयिक जीवन यथार्थ से संयुक्त होकर बरबस गंभीर पाठकों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर लेती हैं। सहज ही वह कवि हिन्दी की श्रेष्ठ कवि-परंपरा में नये हस्ताक्षर के रूप में उभर आता है और अपनी कविताओं की चमक से हर संवेदनशील पाठक को चमत्कृत कर कविता के नए भविष्य के प्रति हमें आशान्वित करता है।

ऐसा ही एक नया नाम कवि राकेश मिश्र का है, जो कविता के द्वार पर अपनी